सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 123 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 6 जून, 2025
मूल्य ₹ 3/-

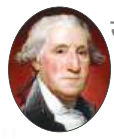

युद्ध के लिए तैयार रहना शांति बनाये रखने के सबसे प्रभावी साधनों में से एक है।
-जार्ज वाशिंगटन

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के नाम से... 7
बीजेपी पर बढ़ा दबाव, सहयोगी दलों... 3
प्रदेश में महिलाएं, बच्चियां व युवतियां... 2

हैवान का काम तमाम

भारी सुरक्षित जगह पर हुए वारदात को लेकर भी उठ रहे सवाल

» धार्मिक आयोजनों में सेवा के बहाने छोटी बच्चियों का करता था यौन शोषण
» दीपक वर्मा को पुलिस ने किया मुठभेड़ में ढेर
» त्वरित कार्रवाई, पांच टीमें 300 सीसीटीवी फुटेज और मारा गया आरोपी
» बुधवार रात ढाई साल की बच्ची के साथ किया था दुराचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आयी। इस घटना ने समाज और कानून व्यवस्था दोनों को झकझोर दिया है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेने वाला व्यक्ति जो झांकी सजाने और जागरण में भाग लेने के नाम पर समाज का हिस्सा बना हुआ दीपक वर्मा नाम के व्यक्ति ने बीती रात आलमबाग मेट्रो स्टेशन पर अपने पिता के साथ सो रही ढाई वर्षीय मासूम बच्ची का अपहारण करने के बाद रेप की घटना को अंजाम दिया।

रेपिस्ट दीपक वर्मा को पुलिस ने गुरुवार रात मुठभेड़ में मार गिराया। आलमबाग मेट्रो स्टेशन के पास बच्ची के साथ हुई घटना के बाद पुलिस ने तत्परता से जांच शुरू की और आरोपी को चिन्हित किया। हालांकि सवाल भी उठ रहे हैं कि आस-पास कई पुलिस चौकियों की मौजूदगी व कैमरे से लेस इस जगह पर इतनी बड़ी वारदात को उस अपराधी ने अंजाम कैसे दिया। बुधवार रात आलमबाग मेट्रो स्टेशन के नीचे फुटपाथ पर एक परिवार सो रहा था। दीपक वर्मा नामक युवक ने मौके का फायदा उठाकर ढाई साल की बच्ची को अपने साथ ले गया। पुलिस के अनुसार वह पहले कई बार उस इलाके की निगरानी कर चुका था। बाद में बच्ची की स्थिति देख पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी की पहचान के लिए 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। स्कूटी की पहचान के बाद उसके ठिकानों पर निगरानी शुरू हुई।

"पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी की पहचान के लिए 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई।"

पुलिस का टीम वर्क

इस मामले में पुलिस ने बेहद संवेदनशीलता और फुर्ती से काम किया। पांच टीमों को लगातार निगरानी, तकनीकी जांच और संभावित स्थानों पर भेजा गया। सीसीटीवी की मदद से स्कूटी और पहनावे की पहचान कर आरोपी को घेरा गया।

इन बातों का कौन देगा जवाब

- क्या धार्मिक आयोजनों में काम करने वालों की पृष्ठभूमि की जांच अनिवार्य नहीं होनी चाहिए?
- क्या समाज अब भी चुप रहेगा या ऐसे मामलों में खुलकर सामने आएगा?
- क्या बच्चियों की सुरक्षा अब भी प्राथमिकता नहीं बनेगी?
- इस मामले ने यह दिखा दिया है कि सिर्फ पुलिस ही नहीं, बल्कि समाज की सजगता भी जरूरी है। बच्चों को सुरक्षित माहौल देना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

जांच में आया सामने

धार्मिक आयोजनों में झांकी निकालने का काम करता था अपराधी

जांच में सामने आया कि दीपक धार्मिक आयोजनों में झांकी निकालने का काम करता था और इसी दौरान वह छोटी बच्चियों को पास बुलाता था। कुछ घटनाओं में उसने अनुचित व्यवहार किया लेकिन डर या सामाजिक बदनामी की वजह से परिवारों ने कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई। दीपक जैसे अपराधियों की दोहरी पहचान समाज के लिए खतरा बनती है। एक तरफ वे धार्मिक कार्यक्रमों में सेवा करते हैं वहीं दूसरी तरफ निजी तौर पर कानून और नैतिकता की सीमाएं पार कर चुके होते हैं। जब पहले की घटनाओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आती तो ऐसे अपराधी और अधिक निडर हो जाते हैं।

ये होना चाहिए जरूरी

1. धार्मिक आयोजनों में काम करने वालों का पंजीकरण और पुलिस वेरिफिकेशन।
2. स्कूलों, मोहल्लों और माता-पिता के स्तर पर बच्चों को सुरक्षा शिक्षा।
3. बच्चों से जुड़े मामलों में जल्द सुनवाई और दोषियों को त्वरित सजा।
4. पीड़ितों और उनके परिवारों को सहयोग, ताकि वे बिना डर शिकायत दर्ज करा सकें।

गुरुवार रात एसीपी कैंट ऑफिस के पास पुलिस चेकिंग चल रही थी तभी दीपक पुलिस को देखकर भागने लगा। इस दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग भी की जवाबी कार्रवाई में वह घायल हुआ और अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पहले भी कई बच्चियों को बना चुका है निशाना

पुलिस ने बताया कि जांच में सामने आया कि दीपक झांकियों में छोटी बच्चियों को ले जाता था। वहां भी कई बार अलग अलग बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया, लेकिन बदनामी के डर से शिकायत नहीं की थी। इसी के चलते दीपक को हिम्मत बढ़ गई थी और इस घटना को अंजाम दे दिया।

समाज की जिम्मेदारी बुलंद करे आवाज

समाजिक कार्यकर्ता डीके त्रिपाठी कहते हैं कि दीपक वर्मा अब इस दुनिया में नहीं है लेकिन उसके जैसे सोच रखने वाले अभी भी समाज में छिपे हो सकते हैं। हमें व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर सतर्कता बरतनी होगी, ताकि किसी मासूम के साथ फिर ऐसी घटना न हो। कानून व्यवस्था ने अपनी जिम्मेदारी निभाई, अब समाज की बारी है कि वह अपराध के खिलाफ आवाज़ बुलंद करे।

'प्रदेश में महिलाएं, बच्चियां व युवतियां कोई सुरक्षित नहीं'

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, हमारी सरकार ने 1090 का सुरक्षा कवच बनाया था भी वो भी निष्क्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार पर करारा वार किया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में महिलाएं, बच्चियां व युवतियां कोई सुरक्षित नहीं है। राज्य में दुराचार के मामले बढ़ते जा रहे हैं। योगी सरकार की कानून व्यवस्था चरमरा गई है।

सपा सरकार ने अपने कार्यकाल में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई अच्छे काम किए थे। सपा के अच्छे काम की सोच ही थी कि सड़क से लेकर हर जगह नारी सुरक्षित रहे इसकी सिर्फ़ बात नहीं की गयी बल्कि सच में 1090 का एक ऐसा सुरक्षा कवच बनाया गया, जो देश के लिए अनुकरणीय बन गया। पर योगी सरकार ने उसे भी सियासत के चक्कर में खराब कर दिया है। प्रदेश में बढ़ रही घटनाओं को लेकर सपा मुखिया ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा हमारी सरकार के समय में जनहित में टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल करना वैज्ञानिक सोच से ही आता है।

दरअसल इसे हमने हेल्पटेक का नया नाम देकर, एक ऐसा अनूठा प्रयोग किया था, जो मिसाल बनकर आज भी सार्थक रूप से काम कर रहा है। उन्होंने एक्स पर लिखा-सपा का काम, महिला सुरक्षा के नाम!

भावी शिक्षकों का बुरा हाल

वहीं भाजपा सरकार पर हमला करते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि इस सरकार भावी शिक्षकों का बुरा हाल कर दिया। डीएलईडी के छात्र प्रदर्शन कर रहें पर सरकार गूंगी बहरी बनी हुई है। अब आने विस 27 के चुनाव में न रहेगी वो सरकार, बहुत हुआ अत्याचार। जब तक विज्ञापन नहीं, तब तक समापन नहीं!

योगी सरकार की भ्रष्टाचार की पोल खोली

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी सपा सुप्रीमों ने योगी सरकार को घेरा उन्होंने प्रदेश में जगह-जगह सरकार के कामों की गुणवत्ता व भ्रष्टाचार के कारण जो दुर्दशा हो रही है उस पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कुछ वीडियो व फोटो जारी करते हुए कहा- ये है भाजपाई भ्रष्टाचार का 'जल से छल' का मासिक ब्यौरा। अप्रैल में लखीमपुर में टंकी फटी,मई में सीतापुर में टंकी फटी,जून में जालौन में टंकी फटी।जुलाई का समाचार मिलते ही अपडेट किया जाएगा। और कुछ नहीं कहना है!

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडर बना तो भाजपा की हार तय: अजय राय

» यूपी कांग्रेस चीफ बोले- मथुरा व वाराणसी में मिल चुका है झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मथुरा के बांके बिहारी मंदिर को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने बड़ा बयान दिया है। साथ ही बीजेपी पर निशाना साधा है। अजय राय ने कहा है कि अगर बीजेपी ने मंदिर और आस पास के क्षेत्रों में तोड़फोड़ की तो अगले चुनाव में उसकी हार तय है।

अजय राय ने कहा, बांके बिहारी मंदिर जो एक ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल है उसे तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जो बहुत दुखद है। बीजेपी ने जिन धार्मिक जगहों पर तोड़-फोड़ की है, वहां चुनाव हारी है। वाराणसी में तोड़-फोड़ हुआ था, नरेंद्र मोदी 7 राउंड चुनाव हारने के बाद मुश्किल से चुनाव जीते। उनके जीत का आंकड़ा बहुत कम हो गया। उन्होंने आगे कहा, बीजेपी ने विकास और मंदिर के नाम पर अयोध्या में तोड़-फोड़ किया। लोकसभा चुनाव में उनका सांसद हारा। मथुरा में 500 साल पुरानी गलियों को तोड़ने की जो योजना बीजेपी बना रही है। आगामी चुनाव में पार्टी यहां भी हारेगी। कांग्रेस पार्टी बांके बिहारी मंदिर और गोस्वामी परिवार के साथ है। अजय राय ने मंदिर का दौरा किया था जहां सैकड़ों प्रदर्शनकारी मौजूद थे, इसमें महिलाएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

कॉरिडर के विरोध में है गोस्वामी समाज

गोस्वामी समाज और स्थानीय लोग कॉरिडोर प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे वृंदावन की प्राचीन कुंज गलियों और धार्मिक पहचान को नुकसान पहुंचेगा. गोस्वामी समाज की जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के साथ कई दौर की बैठकें बिना किसी नतीजे के समाप्त हुई हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बांके बिहारी मंदिर उनकी आस्था और सदियों से चली आ रही परंपरा का प्रतीक है, वे इसे किसी भी कीमत पर प्रभावित नहीं होने देंगे। गोस्वामी समाज ने धमकी दी है कि अगर कॉरिडोर प्रस्ताव को निरस्त नहीं किया गया तो वे ठाकुर बांके बिहारी जी को लेकर मंदिर और वृंदावन से पलायन कर सकते हैं।

व्यक्तिगत नहीं कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में प्रतिनिधिमंडल में भाग लिया: खुर्शीद

» ऑपरेशन सिंदूर डेलिगेशन में शामिल होने पर कांग्रेस नेता का बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले पर बोलते हुए खुर्शीद ने कहा कि विदेशी सरकारों की ओर से संवेदना और एकजुटता के संदेश प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय तक पहले ही पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि जयशंकर ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी है और उसने विदेश में भारत की स्थिति को स्पष्ट कर दिया है।

राजनयिक मिशन की द्विदलीय प्रकृति पर जोर देते हुए खुर्शीद ने कहा कि इसका उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में बोलना था। उन्होंने कहा कि मुख्य कार्य विदेश में भारत का पक्ष प्रस्तुत करना था। दूसरा कार्य राजनीतिक थ- आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में बोलना। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने व्यक्तिगत पहल पर नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि के रूप में प्रतिनिधिमंडल में भाग लिया, जिसने संयुक्त दृष्टिकोण का समर्थन किया। भारतीय जनता पार्टी और अन्य दलों के लोग थे। साथ मिलकर हमने एक ही संदेश दिया। राजनयिक संपर्क यात्रा पर आए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर को उनके अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। खुर्शीद ने कहा कि विदेश में भारतीय राजदूतों ने प्रतिनिधिमंडल की बैठकों के बारे में जयशंकर को पहले ही जानकारी दे दी है, जिसमें उनसे मिलने वाले लोगों, चर्चा के स्तर और उठाए गए प्रमुख मुद्दों जैसे विवरण शामिल हैं। खुर्शीद ने कहा कि मंत्री को कुछ सामान्य चिंताएं भी बताई गईं, जिनमें कई देशों में पारस्परिक संसदीय मैत्री संघों की कमी शामिल है। विदेश मंत्री ने चिंता को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि मामले का अध्ययन किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल की प्रतिक्रिया की एक व्यापक समीक्षा तैयार की जाएगी

खुर्शीद ने कहा कि कोई भी सवाल अनुत्तरित नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की प्रतिक्रिया की एक व्यापक समीक्षा तैयार की जाएगी और उसे प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ सीधे बैठक हो या न हो, मुझे लगता है कि होगी। हमने जो भी चर्चा की है, उसे प्रस्तुत किया जाएगा।

पहलगाम हमला सिर्फ आतंक नहीं, देश पर सीधा आक्रमण था: सचिन पायलट

» कांग्रेस नेता का केंद्र सरकार पर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और टोंक विधायक सचिन पायलट अपने दो दिवसीय विधानसभा दौरे पर टोंक पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। दौरे के पहले दिन आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए पायलट ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो हमला हुआ, वो सिर्फ आतंक नहीं बल्कि देश पर सीधा आक्रमण था।

आतंकियों ने निर्दोष सैलानियों को नाम-पता पूछकर निशाना बनाया, यह एक योजनाबद्ध दहशतगर्दी थी। देश की सीमा के भीतर 400 किलोमीटर तक घुसकर इस प्रकार का हमला किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

पायलट ने कहा कि सबसे पहले हमला करने वालों को करारा जवाब देना ज़रूरी है। उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता यह नहीं होनी चाहिए कि चूक किसकी थी, बल्कि यह होना चाहिए कि जो हमला करने आए थे, उन्हें जवाब दिया जाए। 22 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी सहित पूरी पार्टी ने एक स्वर में कहा कि पाकिस्तान को इस हमले का मुंहतोड़ जवाब मिलना चाहिए। पूरा देश इस मुद्दे पर एकजुट है।

हमारे मतभेद चुनावी, देश पर एकमत

पायलट ने कहा कि देश की सुरक्षा के मुद्दे पर सभी दलों को एक सुर में बोलना चाहिए। सत्ताधारी पार्टी से हमारे राजनीतिक मतभेद जरूर हैं, लेकिन जब बात देश की होती है तो हम सब एकजुट हैं। यही संदेश पूरी दुनिया को जाना चाहिए कि भारत की 140 करोड़ जनता एकजुट है। हमारी सेना किसी पार्टी, धर्म, समाज या विचारधारा की नहीं है, वह पूरे देश की अमानत है।

सोनिया गांधी ने दिया था समर्थन

पायलट ने संसद हमले का उदाहरण देते हुए कहा कि जब देश की संसद पर हमला हुआ था तब नेता प्रतिपक्ष सोनिया गांधी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को पूरा समर्थन दिया था। ऐसे मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। सेना के शौर्य, बलिदान और पराक्रम पर राजनीतिक टिप्पणी करना गलत है।

राजस्थान में परिसीमन पर सियासत कर रही भजन सरकार

प्रदेश की राजनीति पर बोलते हुए पायलट ने पंचायतों और नगर निकायों के परिसीमन को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए मनमाने तरीके से परिसीमन किया जा रहा है। जहां सुविधा दिख रही है वहां लाइनें खींच दी गईं। लेकिन जब भी चुनाव होगा, जनता सच्चाई को पहचान कर हमारी सरकार बनाएगी।

प्रेस ब्रीफिंग से नहीं बनते गठबंधन: अमित ठाकरे

» मनसे नेता अमित ठाकरे बोले- दोनों भाइयों को बात करनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच राजनीतिक सुलह की चर्चा के बीच, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता अमित ठाकरे ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन प्रेस ब्रीफिंग से नहीं बनते, इसके लिए वास्तविक बातचीत की आवश्यकता होती है।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित ने कहा कि दोनों भाइयों को बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे इस बारे में बोलने से कुछ नहीं बदलेगा। उन दोनों के पास एक-दूसरे के नंबर हैं। अगर वास्तव में दिलचस्पी है, तो कॉल करें। यह टिप्पणी शिवसेना (यूबीटी) और मनसे दोनों की ओर से गठबंधन की संभावना के बढ़ते संकेतों के बाद आई है, जो राज द्वारा 2006 में मूल शिवसेना से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने के लगभग 20 साल बाद गठबंधन की संभावना का संकेत दे रहे थे। इसी को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राज ठाकरे मनसे के प्रमुख हैं और उद्धव ठाकरे शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख हैं। वे जो भी निर्णय लेंगे, वह उनका विशेषाधिकार है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बीजेपी पर बढ़ा दबाव, सहयोगी दलों ने दिखाई आंख

अब होगा टकराव, विस चुनाव अकेले लड़ने की तैयारी

» निषाद पार्टी, सुभासपा अपना दल पकड़ सकती हैं अलग राह

» 2024 में बीजेपी को लगा था झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए अभी करीब 2 साल का वक्त है। इससे पहले सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियां में जुट गए हैं। इस बीच बीजेपी के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। बीजेपी के सहयोगी दलों ने बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बड़ी-बड़ी बयानबाजी कर रहे है। जिससे बीजेपी की मुसीबत बढ़ती जा रही है। बीजेपी जबसे सत्ता में आई है। तभी से सवालों के घेरे में है। विपक्ष बीजेपी की नीतियों और कामों को लेकर शुरू से ही योगी बाबा पर हमलावर है। और उनकी नाकानी को गिना रहा है।

भारतीय जनता पार्टी 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई। वहीं अब 2027 के लिए अपनी तैयारियों को और मजबूत करने में जुटी है। पार्टी ने अपने विधायकों के पिछले पांच साल के कार्यकाल का ऑडिट शुरू किया है। ताकि उनके प्रदर्शन के आधार पर टिकट वितरण की रणनीति तैयार की जा सके। यह कदम बीजेपी की उस रणनीति का हिस्सा है। जिसके तहत वह अपने जनाधार को और मजबूत करना चाहती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह ऑडिट बीजेपी को 2024 के लोकसभा चुनावों में मिली हार से सबक लेने में मदद करेगा। 2024 में बीजेपी को उत्तर प्रदेश में केवल 33 सीटें मिलीं, जो 2019 के 62 और 2014 के 71 सीटों के मुकाबले एक बड़ा झटका था।

सहयोगी दलों और सामाजिक समीकरणों का सही प्रबंधन में चूक

वहीं इस हार के पीछे कई कारण थे, जिनमें से एक था सहयोगी दलों और सामाजिक समीकरणों का सही प्रबंधन न कर पाना, निषाद समाज का उत्तर प्रदेश में लगभग 200 विधानसभा सीटों पर प्रभाव है, जिसने बीजेपी के प्रति अपनी नाराजगी को 2024 के लोकसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखाया। संजय निषाद ने भी इस बात को स्वीकार किया कि मछुआ समाज को अनुसूचित जाति आरक्षण का लाभ न मिलना, उनकी हार का एक बड़ा कारण था, संजय निषाद, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। जिन्होंने पिछले साल से सहारनपुर से सोनभद्र तक संविधान अधिकार यात्रा शुरू की है। बता दें कि इस यात्रा का उद्देश्य निषाद, कश्यप, माला, और अन्य मछुआ समुदायों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें एकजुट करना है। संजय निषाद का दावा है कि उत्तर प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों पर निषाद समाज का प्रभाव है, जहां इस समुदाय के 50,000 से अधिक वोट हैं।

यात्राओं से समाज को संगठित करने की कोशिश

इस यात्रा के दौरान संजय निषाद ने न केवल निषाद समाज को संगठित करने की कोशिश की। बल्कि बीजेपी को भी कई बार कठघरे में खड़ा किया और उन्होंने बीजेपी को सलाह दी कि वह विभीषणों यानी उन नेताओं से सावधान रहे। जो दूसरे दलों से आकर पार्टी में शामिल हुए हैं। उनका इशारा उन नेताओं की ओर था। जो बीजेपी में शामिल होने के बाद भी अपनी पुरानी विचारधारा या निष्ठा को पूरी तरह नहीं छोड़ पाए। बता दें कि संजय निषाद का यह बयान बीजेपी के लिए एक चेतावनी है, क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के भीतर आंतरिक असंतोष और बाहरी नेताओं के एकता की कमी ने नुकसान पहुंचाया। वहीं संजय निषाद का सबसे चौंकाने वाला बयान और बीजेपी को हैरान करने वाला है कि उनकी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में 100 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है और उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी को उन सीटों पर निषाद पार्टी को मौका देना चाहिए। जहां वह कभी जीत नहीं पाइ। यह मांग न केवल बीजेपी के लिए एक चुनौती है। बल्कि गठबंधन की एकता पर भी सवाल उठाती है। निषाद पार्टी एनडीए का हिस्सा है और हाल के उपचुनावों में भी कटेहरी और मझवां सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने की मांग की थी। लेकिन बीजेपी ने इन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे।

बसपा ने भी बदला सियासी समीकरण

वहीं बहुजन समाज पार्टी में आकाश आनंद की वापसी ने भी सियासी समीकरणों को बदल दिया है। बसपा 2022 के विधानसभा चुनाव में केवल एक सीट जीत पाई थी। अब आकाश आनंद के नेतृत्व में नई ऊर्जा के साथ मैदान में उतर रही है। आकाश आनंद की रैलियां और बसपा की नई रणनीति दलित वोटों को एकजुट करने की कोशिश का हिस्सा हैं। यदि बसपा निषाद समाज और अन्य पिछड़े वर्गों को अपने साथ जोड़ने में सफल होती है, तो यह बीजेपी और सपा दोनों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।आपको बता दें कि बीजेपी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने सहयोगी दलों को संतुष्ट रखने की है। संजय निषाद का बीजेपी को विभीषणों से सावधान रहने का बयान पार्टी के भीतर आंतरिक असंतोष को उजागर करता है। 2024 के लोकसभा

चुनाव में संतकबीरनगर सीट पर निषाद पार्टी के प्रवीण निषाद की हार ने भी बीजेपी और निषाद पार्टी के बीच तनाव को बढ़ाया। संजय निषाद ने इस हार के लिए बीजेपी के कुछ नेताओं को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन कोई कार्रवाई न होने से उनकी नाराजगी और बढ़ गई।

बीजेपी पर दबाव बनाने की रणनीति

इस मांग के पीछे संजय निषाद की रणनीति साफ है। वह निषाद समाज को यह संदेश देना चाहते हैं कि उनकी पार्टी उनके हितों की सबसे बड़ी पैरोकार है साथ ही वह बीजेपी पर दबाव बनाना चाहते हैं। ताकि उनकी पार्टी को गठबंधन में अधिक महत्व और सीटें मिलें। लेकिन यह रणनीति बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। यदि बीजेपी निषाद पार्टी की मांगों को स्वीकार करती है, तो उसे अपनी परंपरागत सीटों पर समझौता करना पड़ सकता है। वहीं यदि वह इन मांगों को नजरअंदाज करती है। तो निषाद समाज का समर्थन खोने का खतरा है। जो पहले ही 2024 में बीजेपी से नाराज दिखा।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भी तैयारी में

दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भी 2027 के लिए अपनी रणनीति को तेज कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया है कि 2027 में उनकी पार्टी के नेतृत्व में पीडीए की सरकार बनेगी। सपा ने 2024 के उपचुनावों में भी मजबूत प्रदर्शन किया और कई सीटों पर बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। कांग्रेस भी इस बार उत्तर प्रदेश में अपनी स्थिति को मजबूत करने की कोशिश में है। प्रियंका गांधी ने बुलंदशहर से शुरू की गई वोट यात्रा के जरिए निषाद समाज सहित अन्य पिछड़े और दलित समुदायों को लुभाने की कोशिश की है। कांग्रेस ने 2024 के उपचुनाव में 5 सीटों पर दावेदारी की थी और 2027 में 200 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है यह सपा-कांग्रेस गठबंधन बीजेपी के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है। खासकर तब जब निषाद समाज जैसे महत्वपूर्ण वोट बैंक का समर्थन बीजेपी से छिटक रहा हो।

बदल सकती है अन्य दलों की मंशा

इसके अलावा बीजेपी को सामाजिक समीकरणों को साधने की भी चुनौती है, निषाद समाज जो पहले सपा और बसपा का गढ़ रहा। अब बीजेपी के साथ है, लेकिन यह समर्थन स्थायी नहीं है, यदि निषाद समाज को एससी आरक्षण का लाभ नहीं मिलता, तो वह फिर से सपा या अन्य विपक्षी दलों की ओर जा सकता है, संजय निषाद की संविधान यात्रा इस बात का संकेत है कि वह निषाद समाज को एकजुट रखने और बीजेपी पर दबाव बनाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 बीजेपी के लिए एक कठिन परीक्षा होगा। संजय निषाद की संविधान यात्रा और उनकी 100 सीटों की मांग ने बीजेपी को अपनी गठबंधन रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है, पार्टी को न केवल अपने सहयोगी दलों की मांगों को संतुलित करना होगा। बल्कि निषाद समाज जैसे महत्वपूर्ण वोट बैंक को भी अपने साथ बनाए रखना होगा साथ ही सपा-कांग्रेस गठबंधन और बसपा की नई रणनीति बीजेपी के लिए अतिरिक्त चुनौतियां खड़ी कर रही हैं। वहीं बीजेपी इन चुनौतियों से पार पाने में विफल रहती है। तो 2027 में उसका तीसरी बार सत्ता में वापसी का सपना मुश्किल हो सकता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों का विकल्प बनाना जरूरी !

देश का परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों जैसे कोयला और पेट्रोलियम पर निर्भरता पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुंचा रही है। विशेषकर वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में जब भारतीय मुद्रा डॉलर के अपेक्षा अन्तराष्ट्रीय बाजार में कमजोर पड़ रही है। ऐसे में ग्रीन हाइड्रोजन, जो कि पूरी तरह से स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा का स्रोत है, न मात्र पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहायक है अपितु भारत के उर्जा आयात को कम कर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बना सकता है।

5 जून को दुनिया में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। ये पर्यावरण को बचाने के अभियान के अंतर्गत एक सामुदायिक कार्यक्रम है। जैसे पिछले दशकों में वायुमंडल में बड़ा परिवर्तन आया है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से गर्मी बढ़ रही है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुन प्रयोग से वे खत्म होते जा रहे हैं ऐसे में रिन्यूबल एनर्जी को बढ़ावा देने की जरूरत है। ऐसे में ग्रीन हाइड्रोजन का भविष्य ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है। देश का परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों जैसे कोयला और पेट्रोलियम पर निर्भरता पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुंचा रही है। विशेषकर वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में जब भारतीय मुद्रा डॉलर के अपेक्षा अन्तराष्ट्रीय बाजार में कमजोर पड़ रही है। ऐसे में ग्रीन हाइड्रोजन, जो कि पूरी तरह से स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा का स्रोत है, न मात्र पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहायक है अपितु भारत के उर्जा आयात को कम कर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बना सकता है। ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन में मात्र जल का उपयोग होता है और इसे नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे कि सौर और पवन ऊर्जा के माध्यम से इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया द्वारा तैयार किया जाता है, जिससे किसी भी प्रकार का कार्बन उत्सर्जन नहीं होता है।

यह अन्य ऊर्जा स्रोतों की अपेक्षा पर्यावरण के अधिक अनुकूल विकल्प है। भारत सरकार ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिनमें से सबसे उल्लेखनीय है राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन। इस मिशन का उद्देश्य वर्ष 2030 तक भारत को विश्व का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादक बनाना है। भारत में विशाल मात्रा में सौर और पवन ऊर्जा की उपलब्धता इसे संभव बनाती है। ग्रीन हाइड्रोजन न मात्र उद्योगों में अपितु परिवहन और ऊर्जा उत्पादन में भी प्रयोग किया जा सकता है। चूंकि ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन में कार्बन उत्सर्जन नहीं होता, अत: यह पर्यावरण के लिए अत्यंत लाभकारी है। ग्रीन हाइड्रोजन के माध्यम से भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आत्मनिर्भर बन सकता है और विदेशी ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटा सकता है। यह भारी उद्योगों जैसे इस्पात, रसायन, और परिवहन क्षेत्रों के लिए यह एक श्रेयस्कर विकल्प है। इसके अतिरिक्त ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में शोध, उत्पादन, और विपणन से नए रोजगार के अवसर दिन प्रतिदिन बढ़ने की सम्भावना है। यद्यपि ग्रीन हाइड्रोजन के भविष्य कि भारत में प्रचुर संभावनाएं हैं, साथ ही इसके समक्ष कुछ चुनौतियां भी हैं। ग्रीन हाइड्रोजन के लिए अत्याधुनिक तकनीक और भारी निवेश की आवश्यकता है, जो इसकी उत्पादन लागत बढ़ाती है। साथ ही इसके भंडारण और परिवहन में भी तकनीकी समस्याएं हैं। इसे बड़े स्तर पर अपनाने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में जागरूकता और निवेश आवश्यक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रकृति के संरक्षण की भावनात्मक मुहिम

दीपक कुमार शर्मा

विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी की याद दिलाने वाला प्रतीक है। पृथ्वी केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि जीवन का स्रोत है - ठीक वैसे ही जैसे मां होती है। इसी विचार को जीवंत करती है एक प्रेरक पहल- 'एक पेड़ मां के नाम'। यह अभियान केवल पौधारोपण की सरकारी योजना नहीं, बल्कि यह भारतीय समाज की संस्कृति, भावनाओं और प्रकृति के साथ रिश्ते की पुनर्परिभाषा है। पर्यावरण दिवस 2024 पर इस मुहिम की शुरुआत एक नई राष्ट्रीय जागरूकता का आरंभ थी। आज जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और जल संकट देश के भविष्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं। वर्ष 2021 की भारत राज्य वन रिपोर्ट के अनुसार देश का केवल 21.71 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित है, जबकि राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार यह आंकड़ा कम से कम 33 प्रतिशत होना चाहिए। वर्ष 2001 से 2020 के बीच भारत ने 34 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र खोया, जिससे पारिस्थितिकी असंतुलन और भूजल संकट बढ़ा।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 600 से अधिक जिलों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से गिर चुका है। ऐसे गंभीर संदर्भ में 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहल जीवनदायी सिद्ध होती है। प्रधानमंत्री द्वारा फरवरी, 2024 में गुजरात के द्वारका से प्रारंभ किया गया यह अभियान मात्र वृक्ष लगाने की अपील नहीं था, बल्कि यह एक आह्वान था कि मां, जो जीवन का आधार होती है, उसके नाम पर एक पौधा लगाया जाए। यह विचार जनता के हृदय से जुड़ गया और मां के प्रति भावनात्मक आस्था का प्रतिबिंब बना। मात्र पांच महीनों में करोड़ों पौधे लगाए जाने इसका प्रमाण है। इस अभियान में सबसे अधिक प्रेरणादायी रही लोगों की भागीदारी, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों से लेकर स्कूली बच्चों तक सभी ने सक्रिय सहयोग दिया। अमृत 2.0 मिशन के अंतर्गत 'महिलाएं पेड़ों के लिए' कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों को पौधारोपण की योजना, कार्यान्वयन और देखरेख की जिम्मेदारी दी गई।

इस कदम से महिलाओं को निर्णय लेने की भूमिका मिली और ग्रामीण क्षेत्रों में एक नई नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ। वृक्षों की सुरक्षा, उनके जीवित रहने की दर और पारिस्थितिकीय लाभ की दृष्टि से यह समावेशी मॉडल अधिक प्रभावशाली सिद्ध हो रहा है। 'एक पेड़ मां के नाम' का सबसे बड़ा योगदान यह है कि इसने पर्यावरण संरक्षण को केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अभियान बना दिया है। जब कोई व्यक्ति अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाता है, तो वह उस पौधे को केवल एक पर्यावरणीय तत्व नहीं, बल्कि एक स्मृति, एक कर्तव्य मानकर सींचता है। यह वही भाव है जो भारतीय संस्कृति में वृक्षों को पूजनीय बनाता है। विश्व स्तर पर देखें तो चीन और इथियोपिया जैसे देशों ने पौधारोपण के क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। चीन ने 2000 से 2020 के बीच 3.5 करोड़ हेक्टेयर नया वन क्षेत्र विकसित किया, वहीं इथियोपिया ने 2019 में मात्र 12 घंटे में 35 करोड़ पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। भारत के लिए यह एक प्रेरणा हो सकती है, लेकिन 'एक पेड़ मां के नाम' के पीछे की भावना इन देशों से भिन्न है - यह आत्मा के स्तर पर जनचेतना को जगाने का प्रयास है। भारत में यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसका पालन करे तो देश में 140 करोड़ से अधिक वृक्षों की हरियाली विकसित की जा सकती है। यह विचार केवल गणितीय नहीं, व्यावहारिक भी है - बशर्ते इसमें जनसहभागिता, भावनात्मक लगाव और निरंतरता बनी रहे। पौधा लगाना पहला कदम है, उसे बचाना और बड़ा करना ही असली पर्यावरणीय सेवा है। आज जब हम पर्यावरण दिवस के अवसर पर जैव विविधता की क्षति, वनों की अंधाधुंध कटाई, जल स्रोतों का सूखना

और बढ़ती गर्मी की चर्चा करते हैं तो समाधान के रूप में केवल नीतियां या बजट नहीं, बल्कि जनआंदोलन ही कारगर उपाय है। 'एक पेड़ मां के नाम' इसी जनक्रांति का प्रारंभिक बिंदु है—जहां भावनाएं, संस्कृति और विज्ञान मिलकर प्रकृति की रक्षा का संकल्प लेते हैं। यह आंदोलन हमें याद दिलाता है कि प्रकृति कोई बाहरी वस्तु नहीं, वह हमारे भीतर की संवेदना का विस्तार है।

जब हम धरती को मां मानते हैं तो उसका सम्मान करना, उसकी रक्षा करना और उसे पोषित करना हमाराधर्म बन जाता है। 'एक पेड़ मां के नाम' इसी आध्यात्मिक और वैज्ञानिक सोच का सुंदर संगम है। आज जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं, तो यह अवसर एक संकल्प लेने का, एक पौधा अपनी मां के नाम पर लगाकर इस अभियान को एक व्यक्तिगत और राष्ट्रीय कर्तव्य बनाने का है।

अतार्किक हस्तक्षेप से सिमटती शैक्षणिक आजादी

अविजित पाठक

इन दिनों जब भी मैं अपने अकादमिक जीवन पर नज़र दौड़ाता हूं, तो मुझे लगता है कि मैं बेहद भाग्यशाली रहा। तीन दशकों से अधिक समय तक मैंने पढ़ाया, व्याख्यान दिए, सेमिनारों में वक्ता रहा और संस्कृति, राजनीति, समाज एवं शिक्षा पर लिखा। किसी की 'भावनाओं' को चोट नहीं पहुंचाई; इस बीच मुझ पर कोई एफआईआर दायर नहीं हुई; और इन सबसे ऊपर, न्यायपालिका में से किसी ने भी मुझे सामग्री अथवा लेखन शैली को लेकर कोई चेतावनी नहीं दी। बेशक, हर कोई मेरे वैश्विक नजरिए से सहमत नहीं था। तीव्र मतभेद, तर्क और तर्क-वितर्क होते रहे। फिर भी, दिन ढले विश्वविद्यालय के कैफेटेरिया में वामपंथियों, दक्षिणपंथियों, राष्ट्रवादियों, उत्तर आधुनिकतावादियों, अंबेडकरवादियों और नारीवादियों के साथ सहजता से बैठकर संवाद करता रहा, हंसी-ठिठोली, चुटकुलेबाजी और लेखन एवं किताबों पर विचार साझा करता रहा।

सही मायने में, मैंने अपनी स्वतंत्रता का भरपूर आनंद लिया क्योंकि अपने विरोधियों के विचारों की स्वतंत्रता का भी हामी हूं। हालांकि, इस बदलते समय में, जैसा कि अब मैं कुछ पहलुओं को देखता हूं, मसलन, अली खान महमूदाबाद- अशोका विश्वविद्यालय के इस एक युवा प्रोफेसर को 'ऑपरेशन सिंदूर' के संदर्भ में अपनी कुछ महीन और गूढ़ अर्थ वाली टिप्पणियों की एवज में जिस तरह राष्ट्रवाद, युद्ध, लैंगिकता और राजनीति के विषैले घालमेल से गुजरना पड़ा,उससे मेरी कंपकंपी छूटने लगती हैज्जी हां, इस युवा प्रोफेसर को गिरफ्तार किया गया; और जब उन्हें जमानत दी गई, तब भी माननीय सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश यह याद दिलाना नहीं भूले कि उन्हें इस तरह के संवेदनशील मुद्दों पर टिप्पणी करते वक्त सतर्क रहना चाहिए था। क्या यह करके हम तेजी से विषाक्त माहौल का सामान्यीकरण नहीं कर रहे, जिसमें वैचारिक मतभेदों पर संदेह किया जाए, असंतुष्ट आवाज़ों का अपराधीकरण किया जाए, और शैक्षणिक स्वतंत्रता के विचार को हतोत्साहित किया जाए?

क्या यह उस युग की शुरुआत है कि हमारे शिक्षकों, प्रोफेसरों और सार्वजनिक बुद्धिजीवियों को कक्षा में आने से पहले इस पर कानूनी सलाह या मार्गदर्शन लेने की आवश्यकता पड़े कि क्या बोलना या लिखना है? हमें हमारे अकादमिक/बौद्धिक स्थान को घेरते जा रहे सर्व-व्यापक भय पर दो कारणों से चिंता करने की जरूरत है। पहला, यह एक बीमार समाज बनने को इंगित करता है - एक ऐसा समाज जो अपनी भौतिक समृद्धि के बावजूद, हंसी-मजाक, मखौल का मजा लेना, मीमांसीय बहुलवाद की स्वीकार्यता, वाद-विवाद, तार्किक बहसों और मतभेदों की अनिवार्यता को स्वीकार करने की क्षमता खोना शुरू कर दे। वास्तव में, एक बीमार समाज वह होता है जो तमाम असहमति की आवाज़ों को नापसंद करता है = आवाजें जो यथास्थिति से असहज हों,और इस तरह वह राजनीतिक/बौद्धिक स्वतंत्रता और स्वतंत्रतावादी शिक्षा से प्राप्त मुक्तिदायिनी शक्ति से छुटकारा पाना चाहता है। एक बीमार समाज सत्तावादी होता है, और वह एक जीवंत शैक्षणिक/बौद्धिक संस्कृति पर संदेह करता है।

इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि डोनाल्ड ट्रम्प की तरह 'लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित' सत्तावादी व्यक्ति खुद को एक जीवंत शैक्षणिक संस्कृति और बौद्धिक परंपरा-जिसका प्रतीक हार्वर्ड विश्वविद्यालय है- के साथ बहुत असहज महसूस करता है। क्या पता ट्रम्प एक ऐसे रोल मॉडल बन जाएं, जिनका अनुसरण हमारे कुछ राजनीतिक आका करना चाहें। दूसरा, शैक्षणिक/बौद्धिक स्वतंत्रता की अनुपस्थिति किसी राष्ट्र की प्रगति को गंभीर नुकसान पहुंचाती है। यह वह समय होता है जब हम मानने लगें कि विकास और प्रगति के लिए आर्थिक उत्पादकता, सैन्य शक्ति और तकनीकी नवाचार के आंकड़ों से परे कुछ नहीं है। जबकि हमारे मूल्य, सामूहिक आकांक्षाएं और जीवित रहने के तरीके रचनात्मक रूप से महीन एवं गहन सोच, नूतन विचार और बौद्धिक स्वतंत्रता के कारण एक क्रांतिकारी परिवर्तन से गुजरकर क्रमिक विकास करते हैं। मसलन, मार्क्सवाद में निहित एकदम अभिनव और क्रांतिकारी विचार, मनोविश्लेषण, लैंगिक अध्ययन और आलोचनात्मक विचारों से हमने एक नई किस्म की संवेदनशीलता पाई है, जिसने हमें दमनकारी, वर्चस्ववादी, शोषणकारी, पितृसत्तात्मक अधीनता और युद्ध की मानसिकता वाली विचारधाराओं से सवाल करने के काबिल बनाया, और जो आर्थिक समानता, सामाजिक न्याय और एक लोकतांत्रिक समतावादी एवं समाजवादी शांतिपूर्ण विश्व का सृजन करने का प्रयास करती है।

हालांकि, अगर हम तमाम क्रांतिकारी/असहमति की आवाज़ों पर संदेह करने लगें और अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में मुक्त परीक्षण की भावना को नष्ट कर देंगे, तब हमारे सामाजिक/सांस्कृतिक/राजनीतिक क्षय को कोई भी नहीं रोक पाएगा, भले ही हम युद्ध में अपने 'दुश्मनों' को पराजित करने में सक्षम हों, अपनी मजबूत सैन्य शक्ति एवं सामर्थ्य का भव्य प्रदर्शन कर लें या अपने आर्थिक विकास पर कितना भी गर्व महसूस कर लें। जिस तरह से हम अकादमिक स्वतंत्रता में लगातार गिरावट देख रहे हैं,निश्चित रूप से यह अच्छी स्थिति नहीं, तभी तो आज भारत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रतता में 179 देशों में से 156वें स्थान पर है। एक स्थिति की कल्पना करें। भले ही आज भारत 4.3 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, एक प्रोफेसर अपने छात्रों से इस सफलता गाथा में बहने को न कहे।

त्याग, समर्पण और बलिदान का पर्व है बकरीद

07 जून, शनिवार को मनाई जाएगी ईद-उल-अजहा

बकरीद, जिसे ईद-उल-अज़्हा या ईद-उल-ज़ुहा के नाम से भी जाना जाता है, इस्लाम धर्म का एक प्रमुख त्योहार है। यह पर्व हर साल इस्लामिक कैलेंडर के आखिरी महीने, ज़ु-अल-हिज्जा की 10वीं तारीख को मनाया जाता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक, इस वर्ष 2025 में बकरीद 7 जून, शनिवार को मनाई जाएगी। यह त्योहार रमजान की समाप्ति के लगभग 70 दिनों बाद आता है और हज के साथ भी जुड़ा हुआ है। इस्लामिक मान्यताओं में बकरीद का महत्व कुर्बानी की परंपरा से जुड़ा हुआ है। आइए इस लेख में बकरीद पर कुर्बानी का महत्व और इसकी पौराणिक पृष्ठभूमि के बारे में विस्तार से जानते हैं।

हजरत इब्राहिम ने दी थी पहली कुर्बानी

बकरीद का त्योहार हजरत इब्राहिम की अल्लाह के प्रति अटूट भक्ति और समर्पण की याद में मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यता के अनुसार, हजरत इब्राहिम को अल्लाह ने सपने में अपनी सबसे प्रिय चीज की कुर्बानी देने का आदेश दिया। इब्राहिम, जिन्हें 90 वर्ष की आयु में बेटा इस्माइल नसीब हुआ था, अपने बेटे से बेहद प्यार करते थे। फिर भी, उन्होंने अल्लाह के हुक्म का पालन करने का निर्णय लिया। जब उन्होंने इस्माइल को कुर्बानी के लिए तैयार किया, तो इस्माइल ने भी सहर्ष सहमति दी। लेकिन जैसे ही इब्राहिम ने कुर्बानी शुरू की, अल्लाह ने चमत्कार किया और इस्माइल की जगह एक मेमने (दुंबा) को कुर्बान कर दिया। इस घटना ने इब्राहिम की भक्ति और आज्ञाकारिता को सिद्ध किया, और तब से बकरीद पर कुर्बानी की परंपरा शुरू हुई।

कुर्बानी का महत्व केवल बलिदान तक सीमित नहीं है। यह त्याग, समर्पण और अल्लाह के प्रति पूर्ण विश्वास का प्रतीक है। इस दिन मुसलमान हलाल जानवर जैसे बकरे, भेड़ या ऊंट की कुर्बानी देते हैं। कुर्बानी के लिए जानवर का स्वस्थ और बालिग होना जरूरी है। कुर्बानी का मांस तीन हिस्सों में बांटा जाता है। एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए, और तीसरा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए। यह प्रथा समाज में एकता, भाईचारे और दान की भावना को बढ़ावा देती है। इस्लाम में कुर्बानी को सवाब का काम माना जाता है, और यह हर सक्षम मुसलमान के लिए वाजिब है, यानी ऐसा कर्तव्य जो फर्ज से ठीक नीचे आता है।

एकता, भाईचारा और दान की भावना को देती है बढ़ावा

मानवता की सेवा करने की देता है प्रेरणा

बकरीद का एक और महत्वपूर्ण संदेश यह है कि यह हमें स्वार्थ से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देता है। हजरत इब्राहिम का त्याग हमें सिखाता है कि अल्लाह के प्रति सच्ची भक्ति और विश्वास जीवन के सबसे कठिन निर्णयों में भी हमें सही मार्ग दिखा सकता है। इसके अलावा, यह पर्व हज के साथ भी जुड़ा है, जो इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है। हज के दौरान भी कुर्बानी की जाती है, जो हजरत इब्राहिम और उनके परिवार की कुर्बानी को याद करता है। बकरीद का त्योहार हमें बलिदान, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है। यह न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। इस पर्व पर मुसलमान नमाज अदा करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, और अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों के साथ खुशियां बांटते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि सच्चा बलिदान वही है, जो दूसरों के लिए किया जाए।

हंसना मना है

सरदारजी आपको लोगो ने क्यों मारा? सरदार : यार मेरी फोटो बस में गिर गयी, तो मैने मैडम से कहा जरा साडी उपर करो फोटो लेना है।

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफ़सोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की। साले को पता कैसे चला।

यह जो हसीनाओं के बाल होते है, लड़कों को फंसाने के जाल होते है, पी जाती है सारा खून लड़को का, तभी तो गाल इतने लाल होते हैं..

लेडी टीचर : मुझे बच्चों की शकल से पता लग जाता है की उनके दिमाग मे क्या चल रहा है। स्टूडंट : फिर भी आप अपना दुपट्टा सही नहीं कर रही हो!

लड़की : दुआ करो मैं फेल हो जाऊं। फ्रेंड : क्यों? लड़की : अब्बु ने कहा है कि 1st आयी तो लैपटॉप। 2nd आयी तो मोबाइल और फेल हो गयी तो शादी करवा दूंगा!

बेटा : मां हम दिवाली के सारे पटाखे इस दूकान से लेंगे.. मां : बेटा ये दूकान नहीं गर्ल्स हॉस्टल है.. बॉय : पर पापा तो कहते है यहां एक से एक पटाखे है !

कहानी — लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

कहानी से सीख : इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी।

वृषभ — क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन — बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे।

कर्क — मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे।

सिंह — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं।

कन्या — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सोच-समझकर व्यय करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

तुला — अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। प्रमाद न करें। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे।

वृश्चिक — विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें।

धनु — योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी।

मकर — प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे।

कुम्भ — संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें।

मीन — यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएंगे। दिनचर्या नियमित रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

बालीवुड के लोग इंग्लिश में सपने देखते हैं इसीलिए फिल्में फ्लाप हो रही हैं : जावेद

बॉलीवुड फिल्में लगातार फ्लॉप होती जा रही हैं, वहीं दर्शकों के बीच साउथ फिल्मों का क्रेज पीक पर है। हाल ही में बॉलीवुड के दिग्गज लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने लगातार बॉलीवुड फिल्मों के फ्लॉप होने पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए दो टूक कहा कि हिंदी फिल्मों के मेकर्स अपनी जड़ों से जुड़े हुए नहीं हैं। यहां के लोग इंग्लिश में सपने देखते हैं। इसके साथ ही जावेद अख्तर का मानना है कि आजकल सभी लोग एक्शन के इर्द-गिर्द फिल्में बना रहे हैं। जावेद अख्तर ने कहा कि उन्हें लगता है कि बॉलीवुड में क्रिएटिव क्राइसिस चल रहा है। लोगों के पास कोई नया आइडिया नहीं है। जावेद अख्तर कहते हैं कि उन्हें हिंदी फिल्मों से शिकायत है जबकि साउथ के वो एक्टर्स जिन्हें नार्थ में कोई जानता भी नहीं है वो भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्मों के बारे में विस्तार से बात करते हुए जावेद अख्तर भी कहते हैं कि उन्हें हिंदी फिल्मों से शिकायत है कि आज कल बॉलीवुड फिल्मों में कोई गहराई नहीं है। आजकल सभी फिल्में एक्शन पर केंद्रित हैं। एक्शन फिल्मों में भी जब उन्न कैरेक्टर्स बनाने की बात आती है तो मेकर्स अपना स्पर्श खो देते हैं। जावेद अख्तर आगे कहते हैं कि वो इस बात से हैरान रहते हैं कि आजतक फिल्में कैसा बिजनेस करती हैं। वो कहते हैं कि उन्होंने कई ऐसी फिल्में छोड़ी जो बाद में सुपरहिट रहीं, लेकिन लोगों को आजकल यही पसंद है। दिग्गज स्क्रिप्टराइटर आगे कहते हैं कि साथ कि वो फिल्में भी आजकल जबरदस्त हिट हो रही हैं जिनके एक्टर्स को नॉर्थ में कोई जानता भी नहीं है। वो कहते हैं, आप देखिए बॉलीवुड फिल्में नॉर्थ से आए प्रवासियों द्वारा बनाई जाती हैं। लेकिन साउथ कि फिल्में चाहें तमिल, तेलुगु या मलयालम हो सभी को वहीं के लोग बनाते हैं। जावेद अख्तर आगे कहते हैं कि साउथ के मेकर्स आज भी अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। वहां की फिल्में वहीं के मेकर्स अपनी ही ऑडियंस के लिए बनाते हैं। लेकिन बॉलीवुड में सीन कुछ और ही है। राइटर कहते हैं कि बॉलीवुड फिल्में ज्यादातर बाहर से आए लोग बनाते हैं फिर चाहे वो यूपी से आए हों या राजस्थान से लेकिन वो अपनी जड़ों से विस्थापित हो चुके हैं। उनके माता-पिता जड़ों से जुड़े हैं, लेकिन फिल्में बनाने वाले लोग दूसरी पीढ़ी के हैं।

सामंथा पर भ्रामक सप्लीमेंट प्रमोट करने का लगा आरोप

बॉलीवुड | मसाला

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर सोशल मीडिया पर विवादों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि एक हेल्थ सप्लीमेंट ब्रांड है। दरअसल, 'द लिवर डॉक' के नाम से मशहूर डॉक्टर सायरियाक एबी फिलिप्स ने सामंथा पर सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाने और भ्रामक सप्लीमेंट प्रमोट करने का आरोप लगाया है। ये पहला मौका नहीं है जब लिवर डॉक्टर ने सोशल मीडिया पर सामंथा का झूठे दावों का पर्दाफाश करते हुए एक्ट्रेस पर साइंस को लेकर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है।

डॉ. फिलिप्स का कहना है कि सामंथा जिस सप्लीमेंट को प्रमोट कर रही हैं, उसमें हस्र (निकोटिनामाइड मोनोन्यूक्लियोटाइड) नामक कंपाउंड होने का दावा किया गया है। डॉ. फिलिप्स का कहना है कि सामंथा जिस सप्लीमेंट को प्रमोट कर रही हैं, उसमें निकोटिनामाइड मोनोन्यूक्लियोटाइड नामक कंपाउंड होने का दावा किया गया है। सामंथा ने कहा था कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर में ह्रष्ट+ घटता है, जिससे एनर्जी कम होती है, रिकवरी धीमी हो जाती है और फोकस करने की क्षमता घटती है। सामंथा रुथ प्रभु के मुताबिक, हस्र इस प्रक्रिया को उलट सकता है। लिवर डॉक उर्फ सायरियाक एबी फिलिप्स ने उनके इस दावे को झूठा और गैर-वैज्ञानिक बताते हुए आलोचना की। उन्होंने सामंथा को साइंस के मामले में अनपढ़ कहा। डॉक्टर के मुताबिक सामंथा रुथ प्रभु को साइंस की समझ नहीं है। वो कहते हैं कि सेलेब्स सिर्फ अपने फॉलोअर्स को बेकार और धोखाधड़ी वाले सप्लीमेंट्स बेचते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि असली हेल्दी लाइफस्टाइल डाइट, एक्सरसाइज, नींद, तंबाकू-शराब से दूरी और वैक्सीनेशन से बनती है, न कि किसी ऐसे कंपाउंड से जो अभी तक ट्रायल फेज-2 भी पास नहीं कर पाया। डॉक्टर लिवर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर सामंथा के दावों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें झूठा करार दिया। वो अपने पोस्ट में लिखते हैं, 'सांप का तेल बेचने वालों से सावधान रहें। सही जानकारी लें, असली डॉक्टरों की सुनें और साइंस पर भरोसा करें।'

इंडस्ट्री में न्यूकमर्स को आसानी से नहीं मिलता काम : पंकज त्रिपाठी

पंकज त्रिपाठी दर्शकों के बीच अपने काम को लेकर वाहवाही बटोरते नजर आते हैं। पर यहां तक पहुंचने में भी पंकज ने काफी मेहनत की है। स्ट्रगल किया है। इनके लिए ये जर्नी बिल्कुल भी आसान नहीं रही। हाल ही में एक इंटरव्यू में पंकज ने बॉलीवुड की कुछ हकीकत बताई। पंकज का कहना है कि बॉलीवुड में अगर कोई न्यूकमर है तो उसका स्ट्रगल करना निश्चित है, लेकिन बात ये भी है कि उसको शायद काम उतनी जल्दी न मिले, जिसका वो हकदार है। अपने शुरुआती दौर का उदाहरण देते हुए पंकज ने ये बात कही। पंकज ने कहा- इंडस्ट्री न्यूकमर्स के स्ट्रगलिंग फेज में उन्हें उस तरह मौका नहीं देती है जो वो डिजर्व करते हैं। हिन्दुस्तान टाइम्स संग बातचीत में पंकज ने कहा- हमारी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के साथ कुछ दिक्कत है।

जो लोग स्ट्रगल करते हैं, उन्हें काम नहीं मिलता है। साल 2004 से 2012 के बीच 2-3 बार कुछ ऐसा हुआ मेरे साथ कि मैं कैमरा फेस नहीं कर पाया। मैं शूट नहीं कर पाया। फिर मुझे कुछ छोटे-मोटे रोल्स मिले। धीरे-धीरे मैं बड़ा हुआ। पॉपुलर हुआ। कई ऑफर्स मुझे मिले, जब भूख ज्यादा लगी होती है तो इंसान का ओवरईटिंग करना सम्भाव होता है। तो मैंने वही किया। मैंने बहुत सारा काम किया। इस दौरान मुझे चीजों को अलग-अलग रखने में दिक्कतें हुई। आप बस उस समय ट्राय करते हो और कुछ नहीं।

जब आप एक ही पेंटर की 10 तस्वीरें देखते हैं तो दूर से सभी एक जैसी लगती हैं। क्योंकि उसका वो स्टाइल होता है जो हर पेंटिंग में अलग दिखाई नहीं दे सकता। पर जब आप करीब जाकर वही पेंटिंग्स देखते हैं तो छोटे-छोटे डिफरेंस आपको नजर आते हैं। मेरा भी बस वही एफर्ट है।

अजब-गजब | झारखंड के दामोदर नदी के पानी का रंग है अजीबो-गरीब

इस नदी में पानी से ज्यादा बहता है खून!

भारत की नदियां अपने आप में कई रहस्य समेटे हुए हैं लेकिन झारखंड के रजरप्पा मंदिर के पास दामोदर नदी सबसे खास है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें नदी का पानी लाल रंग का दिख रहा है और चट्टानों पर खून जैसी धार बहती नजर आ रही है। यह दृश्य इतना खौफनाक है कि लोग इसे देखकर डर रहे हैं तो कुछ इसे मां छिन्नमस्ता के मंदिर का चमत्कार मान रहे हैं। एक युवक ने इसका वीडियो शेयर करते हुए बताया कि इस नदी में पानी से ज्यादा खून बहता है। लेकिन क्या है इस लाल पानी की सच्चाई? क्या यह वाकई खून है या प्रकृति और मानव की करतूत का नतीजा?

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि दामोदर नदी का पानी सामान्य नहीं, बल्कि गहरा लाल रंग लिए हुए है। नदी के किनारे की चट्टानों पर भी लाल धार बह रही है, जो किसी डरावनी फिल्म के दृश्य जैसी लगती है। युवक ने इसका वीडियो बनाया और शेयर करते हुए कहा कि इस नदी में पानी से ज्यादा खून बहता है। असल में इसकी वजह कुछ और ही है। रजरप्पा मंदिर में हर दिन बकरे की बलि चढ़ती है। लोग अपनी मन्नतों के पूरे होने के बाद यहां आकर बकरे

की बलि चढ़ाते हैं। मंदिर परिसर में बलि चढ़ने के बाद इन्हें नदी के किनारे लाकर काटा जाता है और वहीं प्रसाद तैयार होता है, जिसे लोग अपने परिवार के साथ खाते हैं। इसी वजह से नदी के किनारे बहने वाला पानी लाल दिखाई देता है। वायरल हो रहे वीडियो ने लोगों को कुछ देर के लिए कन्फ्यूज कर दिया। एक यूजर ने कैप्शन में लिखा, यह नदी खून से लाल हो गई! क्या यह मां छिन्नमस्ता का प्रकोप है? वीडियो को लाखों व्यूज और हजारों कमेंट्स मिल चुके हैं। कुछ यूजर्स ने इसे धार्मिक चमत्कार बताया तो कुछ ने प्रदूषण की आशंका जताई। एक यूजर ने लिखा, यह मां का चमत्कार है, जो हमें प्रकृति की रक्षा का संदेश दे रहा है। वहीं, एक अन्य ने टिप्पणी की, यह कोई चमत्कार नहीं बल्कि पास की फैक्ट्रियों का कचरा है! लेकिन असलियत तो ये है कि बलि में चढ़े बकरों का खून पानी में मिल जाने के कारण इसका रंग लाल दिखाई दे रहा है।

रजरप्पा मंदिर, जो मां छिन्नमस्ता को समर्पित है, झारखंड के रामगढ़ जिले में दामोदर और भैरवी नदियों के संगम पर स्थित है। यह मंदिर तंत्र साधना और मन्नत पूर्ति के लिए प्रसिद्ध है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, मां छिन्नमस्ता का स्वरूप शक्तिशाली और रहस्यमयी है। कुछ भक्त मानते हैं कि नदी का लाल रंग मां के प्रकोप या चमत्कार का प्रतीक है। लेकिन वैज्ञानिक इस घटना को अलग नजरिए से देखते हैं। दामोदर नदी, जिसे कोयलांचल की गंगा भी कहा जाता है, लंबे समय से प्रदूषण की चपेट में है। पास की कोयला खदानें, स्टील फैक्ट्रियां और रासायनिक इकाइयां नदी में कचरा डालती रही हैं। 2023 में नोएडा की हिंडन नदी का पानी भी लाल हो गया था, जिसके लिए अवैध डाइंग यूनिट्स को जिम्मेदार ठहराया गया था। लेकिन नदी के किनारे बहने वाला खून भी इसके लाल होने की वजह है।

रेत के पेट में पलता है ये खजाना ढूंढने वाला बन जाता है करोड़पति

सऊदी अरब के रेगिस्तानी इलाकों में हर साल एक चमत्कार होता है, जो प्रकृति और धन-दौलत का अनोखा मेल है। यह है फग'आ मशरूम, जिसे वैज्ञानिक भाषा में टरफेजिया कहते हैं। यह रेगिस्तानी मशरूम न केवल स्वाद में लाजवाब है बल्कि इसकी कीमत इतनी ज्यादा है कि यह खोजने वालों को रातोंरात करोड़पति बना देता है। जनवरी के अंत से मार्च की शुरुआत तक चलने वाले इस मशरूम सीजन में सऊदी के बाजार ताजा फग'आ से गुलजार हो जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने इस मशरूम की खोज को और चर्चा में ला दिया है। इंस्टाग्राम पर हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें सऊदी के रेगिस्तान में लोग रेत के नीचे फग'आ मशरूम की तलाश करते दिख रहे हैं। यह मशरूम, जो आलू जैसा दिखता है, रेत के नीचे छिपा होता है और इसे ढूंढना किसी खजाने की खोज से कम नहीं है। एक यूजर ने लिखा, बिजली कड़कने और बारिश के बाद यह रेगिस्तान में उगता है। फग'आ की कीमत 500 से 2000 सऊदी रियाल (लगभग 11,000 से 44,000 रुपये) प्रति किलो तक होती है। कुछ दुर्लभ किस्में अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपये प्रति किलो बिकती हैं। एक अन्य यूजर ने मजाक में टिप्पणी की, यह मशरूम नहीं, सऊदी का सोना है! फग'आ मशरूम की खासियत यह है कि यह केवल रक्रूक या सनरोज पौधे के आसपास उगता है। सऊदी के उत्तरी इलाकों, जैसे अरार और हफ अल-बातिन में यह खूब पाया जाता है। विशेषज्ञ फैसल अल-हजनी के अनुसार, मशरूम सीजन 25 जनवरी से शुरू होकर 10 मार्च तक चलता है। इस दौरान भारी बारिश और नमी के कारण रेत में यह मशरूम उगता है। स्थानीय लोग मानते हैं कि बिजली की चमक और बारिश इसकी पैदावार को बढ़ाती है। हालांकि वैज्ञानिक इसे नमी और मिट्टी की स्थिति से जोड़ते हैं। यह मशरूम सऊदी के अलावा इराक, सीरिया, अल्जीरिया, लीबिया और मॉरिटानिया के रेगिस्तानों में भी मिलता है।

संसद से पूछे बिना झुकने को सरेंडर ही कहते हैं : राउत

» उद्धव ठाकरे गुट के सांसद ने राहुल गांधी की हां में मिलाई हां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने एक बार फिर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला है। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का क्रेडिट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ले लिया, तो संजय राउत ने दावा किया कि भारत सरकार अमेरिका के आगे झुक गई। अब इसी मुद्दे पर संजय राउत ने एक और बड़ा बयान दिया है। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने सवाल खड़ा किया कि क्या भारत इस बात से सहमत है? संजय राउत से जब राहुल गांधी के नरेंद्र सरेंडर वाले बयान के बारे में सवाल किया तो संजय राउत ने कहा, आपने जिस ढंग से ट्रंप के दबाव में आकर संघर्षविराम किया, क्या आपने देश की संसद से पूछा? आप झुक गए, इसे सरेंडर ही कहते हैं।

बता दें, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले यह दावा किया था कि डोनाल्ड ट्रंप ने नरेंद्र मोदी को फोन कर के कहा, नरेंदर सरेंडर और पीएम ने सरेंडर कर दिया. इसी के साथ संजय राउत ने कहा, यह बात केवल हम नहीं कह रहे, बल्कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी यही कहा है। अब क्या आप पुतिन को भी पाक का एजेंट बता देंगे? आपको बता दे संजय राउत लगातार भाजपा को इस मुद्दे पर घेर रहे हैं। उन्होंने सरकार से जल्द बैठक की भी मांग की ।

सिंदूर का पेड़ लगाने से अच्छा हमारे सवालों का जवाब दीजिए

पीएम मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस पर सिंदूर का पौधा लगाया गया। इसपर तंज कसते हुए संजय राउत ने कहा कि सिंदूर का पेड़ लगाने से अच्छा है हमारे सवालों का जवाब दीजिए।

ट्रंप के डर से जी-7 में नहीं जा रहे पीएम

जी7 में पीएम मोदी को क्यों नहीं बुलाया गया? संजय राउत ने दावा किया कि पीएम मोदी खुद भी नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि उनको डर है कि अगर वह चले गए और सामने से डोनाल्ड ट्रंप ने बोल दिया कि उन्होंने जंग रुकवाई, तब तो वो कुछ बोल भी नहीं पाएंगे।

विश्वगुरु के मना करने पर भी पाक को मिला पैसा

उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने यह भी दावा किया, पाकिस्तान को एक बिलियन डॉलर देने वाले आईएमएफ के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर गए थे। विश्वगुरु के कहने के बावजूद उन्होंने पकिस्तान को पैसा दे दिया। हमारा डेलिगेशन कुवैत चला गया सवाल तो देश की जनता पूछेगी, डर क्यों लगता है आपको।

विस का विशेष सत्र बुलाकर दें 85 प्रतिशत आरक्षण : तेजस्वी

» सीएम नीतीश को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की, जहां समाज के कमजोर वर्गों के लिए कोटा बढ़ाकर 85 प्रतिशत करने के लिए नए कानून लाए जा सकें। विपक्ष के नेता यादव ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार पर इस मुद्दे पर जानबूझकर टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी ने एक्स पर लिखा कि महागठबंधन सरकार में बढ़ाई गई 65 प्रतिशत आरक्षण सीमा को अपनी ही सरकार में संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कराने में घोर विफल रहे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को पत्र लिखा है। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि बाक़ी हमने जो करना है वो हम करेंगे।

दलित-आदिवासी, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्गों का वोट लेकर RSS-BJP की पालकी ढो रहे अवसरवादी सुविधाभोगी नेताओं को भी बिहार की न्यायप्रिय जनता के साथ अच्छे से समझेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि 2023 में पारित पिछले कानून को पटना उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था, जिसने यह विचार व्यक्त किया था कि कोटा में वृद्धि किसी वैज्ञानिक का पालन नहीं करती है जो इस तरह की आवश्यकता को उजागर कर सके। कोटा में वृद्धि जातियों के एक महत्वाकांक्षी सर्वेक्षण के आधार पर की गई थी, जिसमें 1931 की जनगणना की तुलना में दलितों और पिछड़े वर्गों की जनसंख्या प्रतिशत में वृद्धि दिखाई गई थी, जब विभिन्न सामाजिक समूहों की गणना अंतिम बार हुई थी।

तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया पर डाली गयी तस्वीर पर सियासी हंगामा

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व नेता और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव एक बार फिर से चर्चा में हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अपने निजी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था जिसके बाद ऐसा राजनीतिक तूफान आया, जिसमें तेज प्रताप यादाव को न सिर्फ पार्टी से बल्कि घर और परिवार से भी बाहर निकाल दिया गया। अब उन्होंने एक बार फिर अपना एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसके बाद राजनीतिक भूचाल का आना तय माना जा रहा है। नये पोस्ट के वीडियो में तेज प्रताप एक ऑफिस जैसे सेटअप में प्रवेश करते दिख रहे हैं, जहां लालू और राबड़ी देवी की तस्वीरें लगी हुई हैं।

छोटे कपड़े पहनने वाली महिलाएं अच्छी नहीं लगतीं : विजयवर्गीय

» भाजपा नेता का वीडियो खूब हो रहा वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। महिलाओं के छोटे कपड़े पहनने की प्रवृत्ति को लेकर असहमति जताते हुए मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि वह भारतीय संस्कृति के मुताबिक महिलाओं को देवी का स्वरूप मानते हैं। उन्होंने महिलाओं के छोटे कपड़ों से नेताओं के छोटे भाषण की तुलना करने वाली एक विदेशी कहावत को अनुचित करार देते हुए यह बात कही। विजयवर्गीय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा की स्थानीय इकाई के अध्यक्ष सुमित मिश्रा के संक्षिप्त उद्बोधन की तारीफ करते हुए कहा कि हमेशा छोटा भाषण ही दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देखिए, एक पाश्चात्य कहावत है जो अच्छी नहीं है, पर विदेशों में

इस कहावत की बड़ी चर्चा होती है। विदेश में ऐसा कहते हैं कि जिस प्रकार कम कपड़े पहनने वाली लड़की सुंदर होती है, उसी प्रकार कम भाषण देने वाला नेता भी बहुत बढ़िया होता है। विदेश में ऐसी एक कहावत है, लेकिन मैं इसका पालन नहीं करता हूं। काबीना मंत्री ने अपनी इस बात पर श्रोताओं के ठहाकों और तालियों के बीच कहा कि वह इस विदेशी कहावत को कतई उचित नहीं मानते हैं।

» पूर्व उपमुख्यमंत्री का भाजपा पर हमला, बोले- शराब ठेकेदारों को मिल रही धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का कहना है कि भाजपा की प्रदेश सरकार बदमाशों को शह दे रही है। जलेबी व पकोड़ा व्यापारियों के बाद बदमाश अब शराब ठेकेदारों को धमका रहे हैं। आलम यह है कि पुलिस सुरक्षा में शराब ठेकों की बोली करवानी पड़ रही है। चौटाला वीरवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। दुष्यंत ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कुर्सी पर बैठते ही कहा था कि बदमाश हरियाणा छोड़ दें वरना। इसके बावजूद प्रदेश में व्यापारियों को धमकाया जा रहा है। शराब ठेकों की बोली तक नहीं हो रही है।

यमुनानगर, रोहतक व गुरुग्राम में

सरेआम शराब ठेकेदारों को धमकी मिल रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी एक साल तीन माह में बदमाशों को वरना शब्द की परिभाषा नहीं समझा सके। जबकि गृह मंत्रालय उनके पास है, उनको बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर जवाब देना चाहिए। वहीं, जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने कहा कि जजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला का फोटो उनके सम्मान में लगाया है, कुछ लोग जूता

सैनी सरकार बदमाशों को दे रही शह: चौटाला

पूर्व सीएम हुड्डा बीजेपी की बी टीम

चौटाला ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ही भाजपा की बी टीम हैं, क्योंकि 10 साल से उनके खिलाफ केस चल रहे हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के बावजूद तारीख पर तारीख दी जा रही है। राहुल गांधी के हरियाणा के दौरे के सवाल पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि, राहुल गांधी पहले भी प्रदेश में आए हैं, लेकिन कांग्रेस की हालत बदलने वाली नहीं है।

दिखाने की बेतुकी बातें करते रहे। अब जजपा महात्मा ज्योतिबा फुले की फोटो भी लगाएगी। वे पार्टी प्रदेश कार्यालय में जजपा जिला प्रभारियों, जिला अध्यक्षों, विभिन्न प्रकोष्ठों के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारियों व अध्यक्षों तथा हलका प्रभारियों व अध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जजपा पांच लाख नए सदस्य बनाएगी। पार्टी ने 2029 के चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने की नींव रख दी है। इसके लिए हर हलके में पांच हजार सदस्य जोड़े जाएंगे। इसके लिए 15 जून से सदस्यता अभियान चलेगा।

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के नाम से जानी जाएगी सीरीज

» भारत-इंग्लैंड की इस सीरीज को पहले पदौटी ट्रॉफी के नाम से जाना जाता था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून से होगा। इसके लिए भारतीय टीम रवाना हो चुकी है। इससे पहले पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के नाम में बदलाव किया गया है। इसको अब तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के नाम से जाना जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली यह सीरीज पदौटी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। इसका नाम इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर रखा गया था।

मार्च में ईसीबी ने पटौदी परिवार को लिखा था कि वे ट्रॉफी को रिटायर करना चाहते हैं। दोनों दिग्गजों ने 14 टेस्ट मैचों में एक-दूसरे का

सामना किया जिसमें एंडरसन ने तेंदुलकर को नौ बार आउट किया है। यह किसी गेंदबाज द्वारा इस भारतीय को सबसे ज्यादा बार आउट करने का रिकॉर्ड है। भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा।

सिर्फ तीन मैच खेलेंगे जसप्रीत बुमराह

मुंबई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में नए कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अहम मुद्दों पर चर्चा की। टेस्ट कप्तानी मिलने पर शुभमन गिल ने खुशी जताई। उन्होंने कहा- मुझे बहुत खुशी हुई जब मुझे पता चला कि मुझे कप्तान बनाया गया है। यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सभी मुकाबले नहीं खेलेंगे। कोच गंभीर और कप्तान गिल ने भी बताया कि बुमराह सिर्फ तीन मैच खेलेंगे। यह कौन से तीन मैच होंगे, इसका फैसला अभी नहीं हो सका है। गिल ने कहा- मुझे लगता है कि हमने पर्याप्त गेंदबाज चुने हैं और हमारे पास तेज गेंदबाजी आक्रमण भी अच्छा है। हमारा तेज गेंदबाजी आक्रमण हमें किसी भी स्थिति में हमें मैच जिताने की काबिलियत रखता है।

बिहार में फेल हो गई डबल इंजन सरकार : राहुल गांधी

» बोले नेता प्रतिपक्ष- एनडीए सरकार न्याय नहीं, सिर्फ़ सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि बिहार में 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'डबल इंजन' सरकार राज्य को सुरक्षा, सम्मान और विकास नहीं दे पाई। उन्होंने यह दावा भी किया कि नीतीश सरकार न्याय नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने गया में बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने उसके घर पहुंचे एक चिकित्सक की आरोपियों द्वारा कथित तौर पिटाई किए जाने की घटना और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा से संबंधित वीडियो को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोज़गारी और पलायन, यही नीतीश-भाजपा सरकार की असली पहचान बन चुकी है।''

उन्होंने दावा किया कि जनता को लाचार बनाकर सत्ता से चिपके रहना ही इनका एजेंडा है। कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''नीतीश सरकार 'न्याय' नहीं, सिर्फ़ 'सत्ता' की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है।'' उन्होंने दावा किया, ''अब बहुत हुआ। समय आ गया है कि हम अन्याय के इस चक्र को तोड़ें और बिहार को सुरक्षा, स्वाभिमान और सम्मान की राह पर आगे ले चलें।

उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा का वीडियो साझा कर कसा तंज

राहुल गांधी ने उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का वीडियो साझा करते एक अन्य पोस्ट में कहा, ''बिहार की स्थिति बेहद भयावह है। एक तरफ, असंवेदनशीलता की हद सीमा को पार करते हुए, बलात्कार पीड़िता की मौत से टूटे परिजनों को बिहार सरकार के मंत्री (सिन्हा) धक्का मारते हैं - 'बेटे की कसम' दिलाकर न्याय मांगने वालों का अपमान करते हैं। उन्होंने दावा किया, ''दूसरी तरफ, एक भाजपा नेता मुझे अपमानित करने की कोशिश में बिहार की माताओं, बहनों और गुरुओं को अभद्र से निशाना बना रहे हैं। सत्ता की भूख ने इनकी संवेदनाएं छीन ली हैं। कुर्सियों की चमक ने इनकी आंखें बंद कर दी हैं। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि क्या ऐसे लोग महिलाओं की सुरक्षा करेंगे और शिक्षकों को सम्मान देंगे? राहुल गांधी ने कहा, ''फिर से कहूंगा - नीतीश सरकार अब 'न्याय नहीं, सिर्फ़ सत्ता' की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है।

दशरथ मांझी के घर वालों ने जताई बिहार विस चुनाव लड़ने की मंशा, राहुल गांधी से मिलकर मांगेंगे टिकट

लोकसभा के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी गया पहुंचे । सबसे पहले राहुल गांधी अतरी विधानसभा क्षेत्र में स्थित गहलौर घाटी पहुंचेंगे और माउंटेनमैन दशरथ मांझी के परिवारों से मुलाकात कर हाल-चाल जानेंगे। दशरथ मांझी के परिजनों से राहुल गांधी के मिलने की सूचना पर परिवारों में काफी खुशी है। दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी के दामाद मिथुन मांझी ने कहा कि आज राहुल गांधी हमलोगों का हाल-चाल जानने दशरथ नगर में स्थित घर पर आ रहे हैं। उनसे मुलाकात कर बिहार विधानसभा चुनाव में टिकट की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि गया जिले के बोधगया, बाराचट्टी या इमामगंज से चुनाव लड़ने का मंशा है। अगर कांग्रेस से टिकट मिलता है तो जरूर लड़ेंगे।

हर दिन कोई न कोई आता है मिलने पर नहीं बदली है हम लोगों की हालत

भागीरथ मांझी की बेटी अंशु कुमारी ने कहा कि आए दिन कोई न कोई मिलने आते है, लेकिन आज भी हमलोगों की हालात नहीं बदला है। आज राहुल गांधी आ रहे हैं। राहुल गांधी जी से बिहार विधानसभा चुनाव में टिकट की मांग करेंगे। अगर कांग्रेस से टिकट मिलता है तो हमारे परिवार के कोई भी सदस्य चुनाव लड़ सकते हैं।

भाजपा सिर्फ राजनीति कर रही : सिद्धारमैया

विपक्ष ने मांगा सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। विपक्षी भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की। विपक्षी नेता आर अशोक ने इस दुखद घटना को क्रिकेट एसोसिएशन का कार्यक्रम बताकर जिम्मेदारी से बचने के लिए सिद्धारमैया की आलोचना की। जवाब में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वे राजनीति के लिए ऐसा कर रहे हैं। मैं राजनीति नहीं करता।

हमने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है जो स्पष्ट रूप से जिम्मेदार थे और अपने कर्तव्य में लापरवाह पाए गए। अन्य नेताओं ने भी सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि भगदड़ में कई लोगों की मौत की सूचना मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री ने होटल में खाना खाया और बादाम हलवा खाया। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार ने दबाव में आकर ही यह कदम उठाया है। आरसीबी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कल मुख्यमंत्री ने अचानक बेंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पांच अन्य अधिकारियों को निलंबित कर दिया। असली आरोपी कोई और नहीं बल्कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हैं। आरोपी नंबर 2 उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार हैं। आरोपी नंबर 3 गृह मंत्री जी. परमेश्वर हैं। उनकी वास्तव में जांच होनी चाहिए। विजयेंद्र ने गुरुवार को हाईकोर्ट के मौजूदा जजों से जांच कराने और भगदड़ में मारे गए 11 लोगों के परिवारों को कम से कम 50 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की। विधान सौध में भाजपा विधायक दल के कार्यालय में बोलते हुए विजयेंद्र ने राज्य की स्थिति का विश्लेषण करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

भगदड़ मामले में आरसीबी अधिकारी समेत चार गिरफ्तार पुलिस कमिश्नर निलंबित

आईपीएल जीतने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ के दो दिन बाद, पुलिस ने शुक्रवार को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आरसीबी प्रबंधन से निखिल सोसाले और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए से सुनील मैथ्यू को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। गुरुवार को पुलिस ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के निर्देश पर आरसीबी, डीएनए और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिसके बाद जिम्मेदार प्रतिनिधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि केएससीए के अधिकारी फिलहाल फरार हैं। गुरुवार को ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ के लिए जिम्मेदार चूक के कारण बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त बी दयानंद सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया। उसी दिन पहले, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने घटना का स्वत: संज्ञान लिया और राज्य सरकार को 10 जून तक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

आरबीआई ने रेपो रेट में की कटौती ईएमआई हो सकती है कम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को एमपीसी की बैठक के बाद नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का एलान किया है। एमपीसी के सदस्यों ने रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती के पक्ष में मत दिया है। अब यह 6 प्रतिशत से घटकर 5.5त्न हो गई।

साल 2025 में लगातार तीसरी एमएमसी बैठक में ब्याज दरों में कटौती का एलान किया गया है। केंद्रीय बैंक के इस फैसले से आपके लोन की ईएमआई कम होने का रास्ता भी साफ हो गया है, हालांकि ऐसा बैंकों की ओर से ब्याज दरों में कटौती के एलान के बाद ही हो पाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को विकास को बढ़ावा देने के लिए रेपो दर में उम्मीद से अधिक 50 आधार अंकों की कटौती की। ब्याज दरों में कटौती के बाद प्रमुख नीतिगत दर घटकर तीन वर्ष के निम्नतम स्तर 5.5 प्रतिशत पर आ गई, जिससे आवास, ऑटो और कॉर्पोरेट ऋण लेने वालों को राहत मिल सकती है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि विकसित हो रहे व्यापक आर्थिक और वित्तीय विकास और आर्थिक परिदृश्य के विस्तृत आकलन के बाद मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो दर में 50 आधार अंकों की कटौती करने का निर्णय लिया है।

दिल्ली में सिर्फ घोषणाएं कर रही है रेखा सरकार : देवेंद्र

» 100 करोड़ के बजट के ऐलान पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने दिल्ली की बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार ने अग्नि शमन सुरक्षा, उच्च जोखिम वाले भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुधार करने के लिए 100 करोड़ के बजट का ऐलान किया, लेकिन आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली को बर्बाद करने के बाद भी बीजेपी की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार दिल्ली को व्यवस्थित करने की बजाय सिर्फ घोषणाएं कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि तारों के जाल से मुक्ति का वादा करके 100 करोड़ के बजट का ऐलान तो कर दिया परंतु 2 महीने बीतने के बावजूद इस योजना पर कोई काम शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि असल में बीजेपी सरकार अभी तक दिल्ली में योजनाबद्ध तरीके से काम करने की कोई नीति ही तैयार नहीं कर पाई है, यही कारण है कि हर विभाग के संबध में दिल्लीवालों को सिर्फ बीजेपी की घोषणाओं से ही संतुष्ट होना पड़ रहा है, काम कब होगा या नहीं होगा। इस पर जनता आश्वस्त नहीं है। देवेंद्र यादव ने कहा कि अव्यवस्थित तौर पर छोटी, सर्कारी गलियों में घरों के बाहर लटके तार रोजमर्रा के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

पिछले वर्ष झांगोला में छत पर लटके तारों की चपेट ढाई साल का बच्चा आ गया, पटेल नगर में बारिश के दौरान पानी में करंट आने से छात्र की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि अति असुरक्षित क्षेत्र चांदनी चौक, जामा मस्जिद, दरिया गंज, मटिया महल, शाहीन बाग, अलीपुर, जैसी अनाधिकृत कॉलोनियों वाले घनी आबादी वाले हैं जहां सरकारें बार-बार घोषणा करने के बावजूद काम नहीं कर रही है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि रेखा गुप्ता द्वारा तारों के जाल से मुक्ति की घोषणा कोई नई नहीं है, इससे पहले भी आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने बिजली की खुली लटकी तारों से मुक्ति दिलाकर अंडरग्राउंड तारे बिछाने का दावा किया था परंतु 11 साल में आम आदमी पार्टी को कांग्रेस सरकार द्वारा जो सुव्यवस्थित बिजली व्यवस्था विरासत में मिली थी उसको आम आदमी पार्टी ने पूरी तरह बर्बाद कर दिया और उनका ध्यान सिर्फ बिजली दरों में बढ़ोत्तरी और भ्रष्टाचार पर रहा।

ईडी ने महाराष्ट्र और केरल में छापेमारी की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को मीठी नदी से गाद निकाले जाने से जुड़े ''घोटाले'' से संबंधित धन शोधन मामले की जांच के तहत महाराष्ट्र और केरल में छापेमारी की। आरोप है कि इस घोटाले के कारण बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को 65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छापेमारी मुंबई और कोच्चि में स्थित 15 से अधिक परिसरों पर की गई। सूत्रों ने बताया कि जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की

» मीठी नदी से गाद निकालने के मामले में रेड

जा रही है। बीएमसी के कुछ अधिकारियों और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ ईडी का मामला मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की प्राथमिकी से उपजा है, जो मीठी नदी से गाद निकालने में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए दर्ज की गई थी। बताया जाता है कि इन अनियमितताओं के कारण बीएमसी को 65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

ईओडब्ल्यू ने घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए नगर निगम के अधिकारियों और ठेकेदारों सहित 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मीठी नदी मुंबई से होकर बहती है और अरब सागर में मिल जाती है। आरोप है कि गाद निकालने के लिए विशेष 'ड्रेजिंग' उपकरण किराए पर लेने की निविदा में कुछ आपूर्तिकर्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए हेरफेर किया गया था।

तीन अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पीजी 2025 परीक्षा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने 3 अगस्त, 2025 को नीट पीजी (स्नातकोत्तर) परीक्षा आयोजित कराने की इजाजत दे दी है।

कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) को दी गई पूर्व समय सीमा को बढ़ा दिया है। यह परीक्षा पहले इस साल 15 जून को आयोजित होने वाली थी। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने साफ किया कि इस संबंध में एनबीई को कोई और समय सीमा नहीं दी जाएगी। 30 मई को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि नीट पीजी परीक्षा केवल एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।